पति पत्नी तीन साल बाद फिर साथ रहने को हुए राजी

पल में छूटा था साथ, नेशनल लोक अदालत ने लौटाई खुशी

जिला एवं सत्र न्यायालय में नेशनल लोक अदालत के दौरान आपसी समझौते के जरिए कुल 11 हजार 117 प्रकरण निराकृत

हरिभूमि जबलपुर।

जिला अदालत में शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत के दौरान एक ऐसा मामला जजों के सामने आया जिसमे जरा सी बात पर पति-पत्नी अलग हो गए थे। जजों ने पति और पत्नी को ऊंच- नीच समझाई तो दोनों फिर से साथ जीवन बिताने को तैयार हो गए। अदालत में ही दोनों ने एक बार फिर एक दूसरे को माला पहनाई। दोनों हंसी खुशी साथ साथ कोर्ट से घर गए। जिला एवं सत्र न्यायालय में नेशनल लोक अदालत के दौरान आपसी समझौते के जरिए कुल 11 हजार 117 प्रकरण निराकृत हुए। इनमे 44 करोड़ 78 लाख एक हजार 611 रुपये का मुआवजा वितरित हुआ ।

तीन साल पहले हुए थे अलग

जानकारी के अनुसार, आवेदक पत्नी अनावेदिका पति के बीच यह प्रकरण न्यायालय के समक्ष लंबित था। विवाह के बाद आवेदक व अनावेदिका के बीच मनमुटाव उत्पन्न होने पर पत्नि घर छोड़कर मायके चली गई। फिर उसने न्यायालय की शरण ली। लोक अदालत की पीठासीन अधिकारी एवं सदस्यों द्वारा पति पत्नि को संयुक्त रूप से एवं पृथक- पृथक रूप से जीवन के प्रत्येक पहलू पर विचार करते हुए समझाया गया।समझाईश के बाद आवेदक व अनावेदिका ने अपने मतभेदों को भुलाकर उम्र के इस पड़ाव पर पुनः दाम्पत्य जीवन में एक सूत्र में बंधकर पति पत्नि की तरह साथ-साथ रहने पर सहमति जताई। दोनों अदालत से एक दूसरे का साथ निभाने का वचन देकर रवाना हुए।

75 पीठों हुईं थी गठित

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के अध्यक्ष प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला, तहसील, कुटुम्ब व श्रम न्यायालयों में राजीनामा योग्य मामले सुने गए। इस बार प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए कुल 75 पीठों का गठन किया गया था। जिनके माध्यम से 1873 लंबित व 9304 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण आपसी समझौते से किया गया।मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति, चेक बाउंस, आपराधिक शमनीय, सिविल, वैवाहिक व विद्युत अधिनियम सहित विभिन्न प्रकृति के मामलों का समाधान किया गया।

मोटर दुर्घटना के मामलों में बंटे 30 करोड़ 82 लाख 73 हजार 734 रुपये

मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावों में कुल 766 निराकृत प्रकरणों में 30 करोड़ 82 लाख 73 हजार 734 रुपये मुआवजा राशि वितरित की गई। वहीं चेक बाउंस 266 निराकृत मामलों में पांच करोड़ 24 लाख 34 हजार 473 रुपये की समझौता राशि निर्धारित हुई। इसके अतिरिक्त बैंक रिकवरी से संबंधित 1468 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में एक करोड़ 93 लाख 59 हजार की समझौता राशि प्राप्त हुई।

इनका रहा मार्गदर्शन

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलहकर्ता वकील सदस्य संजय राम ताम्रकार, आदित्य अधिकारी, अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत रूपराह, भारत सरकार के डिप्टी सालिसिटर जनरल सुयश मोहन गुरु, सचिव हाई कोर्ट बार अमित जैन, सचिव हाई कोर्ट बार पारितोष त्रिवेदी, सचिव हाई कोर्ट एडवोकेट बार एसोसिएशन निखिल तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता परिषद उपाध्यक्ष रवि शंकर जायसवाल, रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह व रजिस्ट्री के अधिकारीगण, संचालक मप्र राज्य न्यायिक अकादमी उमेश पांडव व अकादमी के अधिकारीगण, जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर सदस्य सचिव, म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सुमन श्रीवास्तव व उप सचिव अनिरूद्ध जैन आनलाईन माध्यम से उपस्थित हुए। अर्चना सिंह, रजिस्ट्रार, हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति जबलपुर व अतिरिक्त सचिव, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण अरविन्द श्रीवास्तव का सहयोग रहा।

चीफ जस्टिस सचदेवा ने किया उद्घाटन

वर्ष की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटे एक लाख 65 हजार प्रकरण

जबलपुर। शनिवार को हाईकोर्ट की तीनों खंडपीठों सहित प्रदेश भर की जिला अदालतों में साल की पहली नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत मॉडल मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने एवं पक्षकारों के बीच आपसी सहमति को बढ़ावा देने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहा है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल लोक अदालत के दौरान राज्य भर में कुल एक लाख 65 हजार 631 मामलों का सौहार्दपूर्ण निपटारा किया गया। इनमें 125353 प्री-लिटिगेशन प्रकरण एवं 42278 लंबित प्रकरणों शामिल रहे। इन मामलों में समझौते के माध्यम से लगभग 6 अरब 28 करोड़, 28 लाख 36 हजार 338 रुपए के दावों का समाधान हुआ। चीफ जस्टिस सचदेवा ने राष्ट्रीय लोक अदालत का ऑनलाईन उद्घाटन किया। जस्टिस विवेक अग्रवाल एवं जस्टिस विवेक जैन मौजूद रहे।संचालन अर्चना सिंह, रजिस्ट्रार, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर द्वारा किया गया। अतिरिक्त सचिव, म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,अरविन्द श्रीवास्तव द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। लोक अदालत के दौरान प्रदेश में कुल 1618 पीठों का गठन किया गया, जिनमें 08 पीठें उच्च न्यायालय में-जबलपुर मुख्य पीठ एवं इंदौर तथा ग्वालियर खंडपीठों में गठित की गई और 1610 पीठें जिला एवं तहसील न्यायालयों में कार्यरत रहीं।लोक अदालत में रिट याचिकाएं, सिविल रिवीजन, द्वितीय अपीलें, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक विवाद, अपराध शमनीय प्रकरण, धारा 138 एनआई एक्ट के अंतर्गत चेक बाउंस प्रकरण, श्रमिक विवाद, बैंक ऋण वसूली प्रकरण एवं विद्युत, जल बिल संबंधित विवाद शामिल थे।

दोषी व्यक्तियों पर करें कठोर कार्यवाही : कलेक्टर

घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग एवं इंडक्शन चूल्हा जैसे उपकरणों की कालाबाजारी रोकने आदेश जारी

जबलपुर। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग तथा इंडक्शन चूल्हा, इलेक्ट्रिक चूल्हा और गैस भट्टी जैसे उपकरणों की कालाबाजारी पर रोक लगाने विस्तृत आदेश जारी कर सभी अनुविभागीय दंडाधिकारियों, खाद्य अधिकारियों तथा नापतौल विभाग के अधिकारियों को कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। आदेश में कहा गया है कि कुछ प्रतिष्ठानों द्वारा इंडक्शन चूल्हा, इलेक्ट्रिक चूल्हा और गैस भट्टी जैसे आवश्यक उपकरणों को निर्धारित एमआरपी से अधिक मूल्य पर बेचकर उपभोक्ताओं का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। आदेश में इस विसंगति को दूर करने हेतु सभी अनुविभागीय अधिकारियों, जिला आपूर्ति नियंत्रक और नापतौल विभाग को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट और केटरिंग संस्थानों में घरेलू सिलेंडरों के अवैध उपयोग की सघन जांच की जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी भी व्यावसायिक संस्थान में घरेलू एलपीजी का उपयोग पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय और विनियमन आदेश 2000 के प्रावधानों के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। अवैध भंडारण पाए जाने की स्थिति में सिलेंडरों को जब्त करने के साथ-साथ विक्रेताओं द्वारा की जा रही कालाबाजारी या जमाखोरी पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। आदेश में सभी गैस एजेंसियों को भी निर्देशित किया है कि वे केवल पात्र उपभोक्ताओं को ही सिलेंडरों का वितरण सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

कृषि स्टार्टअप जागरूकता अभियान में 150 विद्यार्थियों ने लिया भाग

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से विश्वविद्यालय में संचालित कृषि स्टार्टअप के अंतर्गत जवाहर आर-एबीआई ने 73 एग्री-स्टार्टअप कंपनियों को स्थापित किया है। वर्तमान में 8वें बैच के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके माध्यम से छात्र-छात्राओं, उद्यमियों और किसानों को प्रोत्साहित (प्रमोट) किया जा रहा है।इस अभियान के तहत जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में संचालित कृषि स्टार्टअप कार्यक्रम जवाहर आर-एबीआई द्वारा मंगलायतन विश्वविद्यालय, जबलपुर में कृषि स्टार्टअप जागरूकता अभियान में 150 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में वक्ता डॉ. लवीना शर्मा, बिजनेस मैनेजर, जवाहर आर-एबीआई ने छात्र-छात्राओं को कृषि आधारित स्टार्टअप्स, इन्क्यूबेशन प्रक्रिया, वित्तीय अनुदान एवं मार्गदर्शन तथा एग्री-स्टार्टअप्स हेतु 8.0 बैच के आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई, 2026 की जानकारी से अवगत कराया तथा जवाहर आर-एबीआई टीम सुश्री लक्ष्मी सिंह एवं दीपांशु पटेल ने संबंधित प्रश्नों के उत्तर प्रदान किए।

मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.आर.एस. सांबशिवा राव एवं प्रो. विनीता कौर सलूजा का विशेष सहयोग रहा। डॉ. मोनी थॉमस, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, जनेकृविवि के निरंतर मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देश से जागरूकता कार्यक्रम संभव हो पा रहे है। कार्यक्रम में समन्वय डॉ. प्रियंका मिश्रा दुबे, डॉ. जागृति उपाध्याय, डॉ. अंकिता राजपूत, डॉ. नकुल राव रंगारे एवं डॉ. विजय बागरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एक्सपायरी डेट की सामग्री मिलने पर पटेल फास्ट फूड का पंजीयन निलंबित

जबलपुर। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आज शनिवार को किये गये आकस्मिक निरीक्षण में विजयनगर में साईं हॉस्पिटल के पास स्थित पटेल फास्ट फूड में एक्सपायर्ड कोल्ड ड्रिंक्स तथा मसालों का विक्रय हेतु संग्रहण पाये जाने पर इसका खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र कुमार दुबे ने बताया पटेल फास्ट फूड में अत्यंत अस्वास्थ्यकर तथा अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण होते हुए भी पाया गया। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम की धारा 31 के अन्तर्गत खाद्य पंजीयन निलंबन अवधि के दौरान इस प्रतिष्ठान से खाद्य कारोबार के संचालन को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है।

महाकोशल महाविद्यालय में 2 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी शुरु

"मन का अनुशासन ही मानव उत्कर्ष का मार्ग": डॉ. अशोक कड़ेल

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, महाकोशल महाविद्यालय के तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी "भारतीय दर्शन और योगः एक शारीरिक और मानसिक अनुशासन" का शुभारंभ 14 मार्च को हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल के संचालक डॉ. अशोक कड़ेल ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। मुख्य वक्ता डॉ. अनिल करवन्डे (नागपुर) तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. केशव सिंह (ग्वालियर) और डॉ. पूनम कौशिक (इंदौर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन से हुई और अतिथियों का स्वागत पौधे व स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया। संगोष्ठी संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कड़ेल ने कहा कि भारतीय दर्शन में योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का विज्ञान है। उन्होंने कहा कि ऋग्वेद से लेकर उपनिषद और पतंजलि तक हमारे ऋषियों ने मन के अनुशासन को मानव उत्कर्ष का मार्ग बताया है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. केशव सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, जो जीवन में संतुलन बनाता है। डॉ. पूनम कौशिक ने योग के लाभों पर विस्तार से जानकारी दी, जबकि डॉ. अनिल करवन्डे ने भारतीय ज्ञान परंपरा में योग और दर्शन के गहरे संबंध को बताया। संगोष्ठी में नीदरलैंड से डॉ. रितु शर्मा और नंदन पाण्डे ऑनलाइन जुड़े। उन्होंने भारतीय दर्शन को मानव जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने की महत्वपूर्ण पद्धति बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संदीप अवस्थी ऑनलाइन जुड़े और पतंजलि योग दर्शन पर व्याख्यान दिया। इस सत्र में डॉ. नेहा दवे, डॉ. प्रीति पाण्डे, डॉ. संदीप यादव, डॉ. ममता गुप्ता, डॉ. स्वाति, डॉ. नेहा शाक्य और डॉ. श्रुति चतुर्वेदी सहित कई शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में लगभग 194 प्राध्यापक और शोधार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. रविश तमन्ना ताजिर एवं डॉ. संघप्रिया तिवारी ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रो. अरुण शुक्ल ने किया।

पश्चिम में तीन नए फ्लाईओवर स्वीकृत

14 करोड़ के विकास कार्यों की मिली सौगात

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शनिवार को जबलपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में लगभग 14 करोड़ रुपये के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास की गति और तेज की जाएगी तथा जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सभी कार्य पूरे किए जाएंगे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता ने जो मांगा वह भी और जो नहीं मांगा, वे कार्य भी पूरे किए जा रहे हैं। विकास उनकी प्राथमिकता ही नहीं, बल्कि संकल्प है और यह क्रम निरंतर जारी रहेगा।

कार्यक्रम में मंत्री ने बताया कि गौरीघाट में मां नर्मदा के तट पर लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से भव्य घाटों का निर्माण प्रस्तावित है, जिसका भूमिपूजन आगामी दो-तीन माह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। मांडवा बस्ती में 100 बिस्तरों के सर्वसुविधायुक्त अस्पताल का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है, जिसका लोकार्पण भी शीघ्र होगा। उन्होंने जानकारी दी कि पश्चिम क्षेत्र में तीन नए फ्लाईओवर स्वीकृत हुए हैं। सगड़ा फ्लाईओवर का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जबकि साईं मंदिर ग्वारीघाट से आदि शंकराचार्य चौक तक बनने वाले फ्लाईओवर का भूमिपूजन जल्द किया जाएगा। मंत्री श्री सिंह ने गोरखपुर चौराहे पर खंडा चौक एवं गुरु तेग बहादुर मार्ग का लोकार्पण कर कार्यक्रमों की शुरुआत की। उन्होंने गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू सहित जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा विभिन्न वार्डों में सड़कों, नालों, पानी की टंकियों, पार्कों के सौंदर्यीकरण एवं भवन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया। मंत्री ने कहा कि पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्डों में समान रूप से विकास की धारा पहुंचेगी।

समरसता सेवा संगठन ने कर्मा देवी जयंती पर विचार गोष्ठी व पौधारोपण किया

माँ कर्मा का जीवन भक्ति और समरसता का प्रतीकः डॉ. आनंद सिंह राणा

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन द्वारा माँ कर्मा देवी के प्राकट्योत्सव पर नर्मदा उद्यान, गौरीघाट में विचार गोष्ठी एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने माँ कर्मा के व्यक्तित्व और उनके संदेशों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता इतिहासकार डॉ. आनंद सिंह राणा ने कहा कि माँ कर्मा का जीवन आडंबरहीन भक्ति, प्रेम और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ईश्वर जाति-पाति नहीं बल्कि प्रेम और समर्पण के भूखे होते हैं। उन्होंने बताया कि 17वीं शताब्दी की महान कृष्ण भक्त माँ कर्मा देवी की निस्वार्थ भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान कृष्ण ने उनके हाथ का खिचड़ा भोग स्वीकार किया था, जो समाज को समानता और श्रद्धा का संदेश देता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कृषि भाग के संघ चालक अनिल गुप्ता ने कहा कि जगन्नाथ पुरी मंदिर में भगवान को सुबह जो भोग लगता है, वह माँ कर्मा की परंपरा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि माँ कर्मा देवी साहू समाज की आराध्या देवी मानी जाती हैं, लेकिन उनका भक्ति और सेवा का संदेश पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। विशिष्ट अतिथि तेलघानी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रविकिरण साहू और जिला साहू समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जिला साहू समाज के सचिव उमेश साहू ओज ने कविता के माध्यम से माँ नर्मदा की व्यथा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने प्रस्तावना एवं स्वागत उद्बोधन दिया तथा सचिव उज्जवल पचौरी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और उपस्थित जनों ने माँ कर्मा को समर्पित करते हुए नर्मदा उद्यान में आम का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

कर्ज न अदा करने पर संपत्ति कुर्क

जबलपुर। कलेक्टर न्यायालय के द्वारा पारित आदेश पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बैंक से सात्विक अवस्थी डेयरी फर्म प्रोपराइटर सात्विक अवस्थी द्वारा कर्ज लेने के बाद उसे अदा न करने पर बैंक द्वारा पनागर क्षेत्र की कुछ संपत्तियों को कुर्क किया गया है। बैंक द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन संपत्तियों को कब्जे में लिया गया है, उनमें बंदोबस्त नंबर 555, पटवारी हल्का 16/43, नया नंबर 54 महाराजपुर, पनागर व जबलपुर स्थित खसरा नंबर 233 रकबा 0.05 हेक्टेयर, खसरा नंबर 234 रकबा 0.03 हेक्टेयर, खसरा नंबर 236/1/1 रकबा 0.1671 हेक्टेयर, खसरा नंबर 236/1/2 रकबा 0.0929 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर 236/2 रकबा 0.26 हेक्टेयर कुल रकबा 0.60 हेक्टेयर में से डाइवर्टेड रकबा 1729 वर्ग मीटर जिसमें निर्मित समस्त मवेशी शेड व आरसीसी मकान और गोडाउन शामिल हैं।

बैंक ऑफ इंडिया का "मेगा समझौता अभियान" 20 मार्च तक

जबलपुर। बैंक ऑफ इंडिया 16 से 20 मार्च 2026 तक "मेगा समझौता अभियान" का आयोजन कर रहा है, जिसके तहत देश भर में स्थित अपनी सभी शाखाओं/जोनों और एफजीएमओ में एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजना के तहत उधारकर्ताओं के एनपीए ऋण खातों का निपटान किया जाएगा। यह समझौता दिवस विशेष रूप से उन एनपीए उधारकर्ताओं के लिए बनाया गया है, जो व्यावसायिक संकट, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं या किसी अन्य वास्तविक कारण से समय पर ऋण चुकाने में असमर्थ रहे हैं। हमारे बैंक के पास छोटे और मध्यम आकार के खातों के निपटान के लिए विशेष ओटीएस योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से एनपीए खाता धारक उधारकर्ताओं को विशेष और आकर्षक छूट प्रदान की जाती है। हम सभी एनपीए खाताधारक उधारकर्ताओं से अपील करते हैं कि वे 16 से 20 मार्च 2026 तक चलने वाले "मेगा समझौता अभियान" के दौरान एनपीए ऋण खातों का निपटान करके इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

रोटरी एक्सीलेंस जबलपुर का होली मिलन समारोह संपन्न

जबलपुर। रोटरी एक्सीलेंस जबलपुर द्वारा होली मिलन समारोह हर्षोल्लास और आपसी समरसता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन अशोक कुमार साहू ने सभी सदस्यों को होली की शुभकामनाएं देकर की। समारोह में क्लब के सदस्य अपने परिवार के साथ शामिल हुए। श्रीमती श्वेता ओसवाल ने सभी को होली की बधाई देते हुए कार्यक्रम की अगली कड़ियों की शुरुआत कराई। रंगारंग संगीत और प्रस्तुतियों के बीच रामकृष्ण चौकसे ने पारंपरिक फाग गीत प्रस्तुत कर माहौल को उत्सवमय बना दिया, जिसका सभी ने आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनुभूति बादशाह ने किया। इस अवसर पर आशीष जैन, अमित जैन, अखिलेश बादशाह, शैलेंद्र जेठा, शालिनी अग्रवाल, अभिषेक केसरवानी, पवन केसरवानी, डॉ. हिमांशु और संतोष गुप्ता सहित अन्य सदस्य परिवार सहित उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

नाम परिवर्तन

मेरा नाम विजय कुमार माखीजा पिता भीषम लाल पता 1582/2 पचपेणी वी सी बंगलो के पास कुलपति, जबलपुर (म.प्र.) निवेदन है कि मेरा पुराना नाम विजय माखीजा पिता भीषम लाल जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। मेरा नया नाम विजय कुमार माखीजा पिता भीषम लाल जो कि मेरे आधार कार्ड और ड्राइविंग लायसेंस में दर्ज है। कृपया अब से मुझे मेरे नये नाम से जाना एवं पहचाना जाये।

नया नाम-
विजय कुमार माखीजा
पुराना नाम-
विजय माखीजा

खबर संक्षेप

अलग-अलग स्थानों से दो मोटर साइकिल हुई चोरी

कटनी। कोतवाली और माधवनगर थाना क्षेत्र में मोटर साइकिल चोरी हो गई। जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुरानी कचहरी पार्किंग से एक बाइक चोरी हो गई। फरियादी मोहित कुमार बर्मन निवासी ग्राम कन्हवारा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि मोटर साइकिल क्रमांक MP 21 MK 4548 को खड़ी कर काम से चला गया। जब वापस लौटा तो वाहन वहां नहीं था। शिकायत पर पुलिस ने धारा 303(2) BNS के तहत मामला दर्ज किया है। इसी तरह माधवनगर थाना क्षेत्र के कुम्हार मोहल्ला कलारी के पास से अमित बर्मन की बाइक चोरी हुई। अमित वार्ड क्रमांक 9 शारदा चौक निवार का निवासी है। उसकी बाइक क्रमांक MP 21 MR 7407 मेन रोड के पास से अज्ञात चोर उड़ा ले गए।

राशन दुकान से गेहूं एव चावल ले गये चोर

कटनी। कुठला थाना अंतर्गत ग्राम खड़ौला स्थित सरकारी राशन पर चोरो ने वारदात को अंजाम देते हुए दुकान का ताला तोड़कर 23 क्विंटल गेहूं-चावल पारकर दिया। सेल्समैन दुर्गा चौधरी ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोरों ने राशन दुकान में सेंध लगाकर भारी मात्रा में अनाज पार कर दिया। दुकान से 16 क्विंटल 79 किलो गेहूं और 7 क्विंटल 7 किलो चावल गायब हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 20,000 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने धारा 331(4), 305(ए) BNS के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिन दिहाड़े हजारों रूपये कीमती जेवरात चोरी

कटनी। बहोरीबंद थाना क्षेत्र के ग्राम नयागांव में दिनदहाड़े चोरी की वारदात हुई है। चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए नकदी और कीमती जेवरों पर हाथ साफ कर दिया। लालजी गड़ारी 65 वर्ष ने पुलिस को बताया कि दोपहर करीब 4:00 से 4:30 बजे के बीच जब घर पर कोई नहीं था, तब अज्ञात आरोपियों ने घर का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया। चोरों ने अलमारी में रखे चांदी के टोडर, डोरा और करीब 50,000 रुपये नगद चोरी कर लिए। घटना की जानकारी तब लगी जब परिवार के सदस्य घर वापस लौटे। पुलिस ने धारा 331(3), 305(a) BNS के तहत मामला दर्ज कर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। चोरी की बढ़ती इन वारदातों से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

निगमाध्यक्ष ने नागरिकों से संवाद कर समस्याएं सुनीं

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी परिसर में आयोजित नेशनल लोक अदालत का निगमाध्यक्ष मनीष पाठक ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से चर्चा करते हुए नागरिकों को बेहतर एवं त्वरित सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगमाध्यक्ष ने लोक अदालत में पहुंचे नागरिकों से आत्मीयतापूर्वक संवाद किया तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों एवं प्रकरणों का नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। निगमाध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से संपत्ति कर एवं जलप्रभार से संबंधित बकाया प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष छूट प्रदान की जा रही है। संपत्ति कर के प्रकरणों में 50,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट, 50,000 रुपये से 1,00,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट तथा 1,00,000 रुपये से अधिक बकाया पर अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। इसी प्रकार जलप्रभार के प्रकरणों में 10,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट, 10,000 रुपये से 50,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 75 प्रतिशत तक की छूट तथा 50,000 रुपये से अधिक बकाया पर अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया गया है।

ओटीपी ओर केवाइसी की अनिवार्यता के चलते उपभोक्ताओं का बढ़ा सिरदर्द

भारी फजीहत: सर्वर डाउन, नही हों पा रही गैस बुकिंग, सिलेण्डर के लिए लंबी कतारें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

एलपीजी गैस सिलेंडर के संकट के बीच घरेलू एलपीजी सिलेंडर की किल्लत लगातार जारी है। वहीं सर्वर डाउन होने से लोगों की गैस बुकिंग नहीं हो पा रही है जिससे उपभोक्ता खासे परेशान नजर आ रहे हैं। हालांकि गैस एजेंसियों का दावा है कि कहीं भी किसी प्रकार कोई गैस सिलेंडर कोई कमी नहीं है और उपभोक्ता को होम डिलीवरी कराई जा रही है।साथ ही गैस बुकिंग करने में तकनीकी समस्या की बात कही जा रही है। वहीं दूसरी ओर पिछले कुछ दिनों से उपभोक्ता सिलेंडर लेने के लिए खासे परेशान हैं।

शनिवार को विकासखण्ड मुख्यालय बहोरीबंद स्थित सत्य साईं भारत गैस एजेंसी व स्लीमनाबाद स्थित शुभ भारत गैस एजेंसी के दफ्तर में सुबह से लोगों की सिलेंडर लेने के लिए कतार लग गई थी। महिलाएं पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग और सरकारी कामकाज करने वाले लोग अपने अन्य जरूरी काम छोड़कर घरेलू गैस सिलेंडर प्राप्त करने कांउटर में पर्ची कटवाने के लिए कतारबद्ध होकर खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे।वहीं दूरदराज इलाकों से अपनी अपनी मोटरसाइकिलों पर खाली गैस सिलेंडर बांधकर दूसरा भरा हुआ घरेलू गैस सिलेंडर लेने के लिए लोग बड़ी जद्दोजहद कर रहे थे लोगों का कहना था कि देश में एलपीजी गैस का संकट चल रहा है ऐसे में गैस सिलेंडर लेना बहुत जरूरी है।

दूसरी ओर सरकार द्वारा गैस बुकिंग की अवधि ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन किए जाने की घोषणा के बाद आम उपभोक्ताओं में निराशा का माहौल निर्मित हो गया है। जिसके चलते लोग आनन-फानन में सिलेंडर बुक करने की होड़ में गैस एजेंसी पहुंच रहे हैं। वैसे भी सरकार द्वारा उज्जवला योजना के तहत महिलाओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया गया था जिससे अधिकांश घरों में कोयला और लकड़ी का बहुत कम उपयोग होता था। भोजन तैयार करने के लिए गैस सिलेंडर का उपयोग अधिक होने लगा ऐसे में जब गैस सिलेंडर की किल्लत होने लगी है तो अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरों की तर्ज पर इलेक्ट्रिक चूल्हों की मांग बढ़ने लगी है।

इनका कहना है

इस संबंध में सत्य साईं गैस एजेंसी बहोरीबंद के संचालक अजीत महोबिया का कहना है कि गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, गैस सिलेंडरों की कहीं कोई कमी नहीं है। बुकिंग करने के बाद उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी कराई जा रही। बुकिंग करना जरूरी है साथ ही ओटीपी और केवाईसी अनिवार्य है।इन दिनों सर्वर डाउन चल रहा है जिसकी वजह से गैस बुकिंग करने में विलम्ब हो रहा है।वैसे भी उपभोक्ता अपने मोबाइल फोन से गैस बुकिंग कर सकते हैं। सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 अवधि कर दी गई है।

आरटीई के तहत 28 मार्च रहेगी भरे जाएंगे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026–27 में निजी स्कूलों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में निःशुल्क प्रवेश के लिए, ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च 2026 से प्रारंभ होंगे। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। आर.टी.ई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रारूप एवं निर्देश उपलब्ध कराये गए हैं। निजी विद्यालय में निःशुल्क प्रवेश के लिए आवेदकों का चयन, ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से 2 अप्रैल 2026 को किया जायेगा।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026–27 में निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। समय-सारिणी एवं दिशा निर्देश आर.टी.ई. पोर्टल पर भी उपलब्ध हैं।

सत्र 2026-27 के लिए जारी समय सारिणी के अनुसार, निःशुल्क प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट्स का पोर्टल पर प्रदर्शन 9 मार्च 2026 से किया जाएगा। वहीं वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के आवेदक अपना आवेदन, ऑनलाइन प्रक्रिया से 13 मार्च से 28 मार्च 2026 के बीच जमा कर पंजीयन कर सकते हैं। फार्म के साथ पात्रता सम्बंधित कोई भी एक दस्तावेज अपलोड करना होगा।

ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदकों को इसी अवधि में त्रुटि सुधार का अवसर भी मिलेगा। 14 मार्च से 30 मार्च की अवधि में दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित संकुल केन्द्र वाले स्कूल में अधिकृत सत्यापनकर्ता अधिकारी से करवाना होगा। आवेदक ने आर.टी.ई. में निःशुल्क प्रवेश के लिये जिस कैटेगरी,निवास क्षेत्र के माध्यम से प्रवेश चाहा है, तत्संबंधी कैटेगरी एवं निवास प्रमाण का सत्यापन, संबंधित मूल प्रमाण पत्र से किया जायेगा। लाटरी के पूर्व ही दस्तावेज सत्यापन हो जाने से, आवेदकों को स्कूल आवंटित होने के बाद दस्तावेजों की त्रुटि या अभाव में, एडमिशन निरस्त होने की समस्या उत्पन्न नहीं होगी।

ऑनलाइन आवेदन करने में कोई समस्या या कठिनाई होने की स्थिति में संबंधित विकासखंड के बीआरसी कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है। 2 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन लॉटरी द्वारा छात्रों को निजी स्कूलों में सीट का आवंटन किया जायेगा। लॉटरी प्रक्रिया के उपरांत आवंटित सीट की जानकारी, आवेदक को उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर, एसएमएस के माध्यम से प्रदान की जायेगी।

जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र किये गये वितरित

ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के क्षमता संवर्धन का प्रशिक्षण आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

जन अभियान परिषद जिला कटनी के जिला समन्वयक डॉ तेज सिंह केसवाल के निर्देशानुसार एवं ब्लॉक समन्वयक अरविंद शाह के मार्गदर्शन में नवांकुर योजनांर्तगत नवांकुर संस्था-बड़खेरा जनचेतना समाज सेवी समिति,सेक्टर बचैया 3 के अंतर्गत गठित प्रस्फुटन समितियो के क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण का आयोजन ग्राम पंचायत सभागार किरहाई पिपरिया में किया गया।

सेक्टर प्रभारी सरजू प्रसाद श्रीवास द्वारा अतिथियों एवं उपस्थित सभी उपस्थितजनों का परिचय कराया गया एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य व विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुए समितियों की त्रैमासिक कार्यों की समीक्षा की गयी।

विकासखंड समन्वयक अरविंद शाह के द्वारा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की अवधारणा पर आधारित प्रेरणा दायक प्रसंगो के माध्यम से अवधारणा को प्रस्तुत किया गया! प्रेरणाश्रोत अवधेश बैरागी ने समग्र ग्राम विकास की अवधारणा एवं विभिन्न चरणों पर बात रखते हुए अपनी ग्राम पंचायत मे बेसलाइन सर्वे करके ग्राम की छोटी- छोटी आवश्यकताओ एवं समस्याओं को खोजकर आपसी सहयोग से हल करने हेतु प्रेरित किया! भोजन अंतराल के बाद स्वैच्छिक संगठनो का गठन एवं प्रबंधन पर नवांकुर संस्था सचिव सरजू प्रसाद श्रीवास के द्वारा संस्था का रजि.व धारा 27-28 की जानकारी,चालान आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।परामर्शदाता रामसिंह पटैल के द्वारा समितियो के दस्तावेजीकरण पर गंभीरतापूर्वक प्रकाश डाला गया।

ब्लॉक समन्वयक अरविंद शाह द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से आदर्श ग्राम हिवडे बाजार के विकास को फिल्म के माध्यम से दिखाया गया! सभी प्रतिभागियों को जनप्रतिनिधि/अतिथियो के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सेक्टर प्रभारी सरजू श्रीवास द्वारा अतिथियों एवं उपस्थित सभी सम्माननीय जनों का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान सरपंच संगीता सुनील मिश्रा, सचिव कंधी लाल नायक, सुनीता विश्वकर्मा, पटवारी प्रमोद कुमार सोनी, मेंटर अवधेश बैरागी, रामसिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

तनाव प्रबंधन विषय पर विद्यार्थियों को मिला मार्गदर्शन

शासकीय महाविद्यालय ढीमरखेड़ा में तनाव प्रबंधन विषय पर आयोजित कार्यक्रम का प्रोजेक्टर के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. बृजलाल अहिरवार के मार्गदर्शन एवं मानसिक स्वास्थ्य टास्क फोर्स के नोडल प्रभारी डॉ. राजाराम सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया।इस दौरान छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ ने विभिन्न विषय विशेषज्ञों के विचारों को सुनकर मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि पढ़ाई, परीक्षा और कैरियर से जुड़े दबाव को कैसे सकारात्मक तरीके से संभाला जा सकता है। प्रभारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 16 व 17 मार्च को भी महाविद्यालय में किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं इसका लाभ लेकर परीक्षा और कैरियर से जुड़े तनाव को सही ढंग से प्रबंधित करना सीख सकें। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार नागवंशी, युवराज तिवारी, डॉ. सचिन कोस्टा, डॉ. मनीषा व्यास, स्मिता परसाई,जवाहरलाल चौधरी, डॉ. अखिलेश द्विवेदी, डॉ. हर्षित द्विवेदी,कम्प्यूटर ऑपरेटर मनीष और जितेंद्र का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर दीनदयाल, चक्रवर्ती, अभिषेक कुमार आदि की उपस्थिति रही।

सामाजिक परिवर्तन व जल संरक्षण पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उमरियापान

जन अभियान परिषद ढीमरखेड़ा के तत्वाधान में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय त्रैमासिक क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। धरवारा सेक्टर के भूला पंचायत भवन भूला में आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. तेजसिंह केशवाल के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक बबीता शाह के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम नवांकुर संस्था प्रयास सेवा संगठन इमलिया के संस्था प्रभारी कोदुलाल हल्दकार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेक्टर की विभिन्न ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों एवं नवांकुर सखियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, मास्टर ट्रेनर विनोद सिंह तथा स्लीमनाबाद थाना प्रभारी सुदेश सुमन विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ग्राम विकास, सामाजिक जागरूकता, जनभागीदारी तथा प्रस्फुटन समितियों की भूमिका और जिम्मेदारियों के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षक विनोद सिंह ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने, लोगों की समस्याओं को समझने और सामूहिक प्रयासों से ग्राम विकास को गति देने पर जोर दिया। वहीं विकासखंड समन्वयक बबीता शाह ने जल संरक्षण विषय पर विशेष प्रशिक्षण देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जल बचाने और संरक्षण के उपायों के बारे में जानकारी दी।

बैठक में कुसेरा, सैलारपुर, इमलिया, कनौजा एवं भूला समितियों के अध्यक्ष, सचिव और नवांकुर सखियां,समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को साप्ताहिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने तथा श्रमदान, स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री ने बहोरीबंद विधानसभा में दी विकास कार्यों की सौगातें

16 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का हुआ वर्चुअली लोकार्पण एवं भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शनिवार को बरही में आयोजित कृषि महा महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए, जहाँ मुख्यमंत्री ने पूरे जिले के लिए विकास कार्यों की सौगाते दी। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने बहोरीबंद विधानसभा को भी अनेक सौगाते दी जिसमें 16 करोड़ रुपये की राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन वर्चुअल किया जिसमें मुख्यमंत्री ने 5 करोड़ 67 लाख रुपये की राशि के विकास कार्यों का भूमिपूजन व 10 करोड़ से अधिक की राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री द्वारा बहोरीबंद विधानसभा को सौगाते देने पर विधायक प्रणय पांडेय ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंटकर आभार जताया। विधायक प्रणय पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया मुख्यमंत्री के द्वारा 44 लाख की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत केवलारा ग्राम हाथीभार, 69 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत किवलरहा, 37 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत सिमरापटी ग्राम कजरवारा, 1 करोड़ 21 लाख की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पटोरी,90 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पटोरी ग्राम मंगेला, 55 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम रैपुरा, 1करोड़ 6 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत सलैया प्यासी,40 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम कजरवारा,40 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पहरुआ ग्राम गुडीयापुरा, 36 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पहरूआ ग्राम सुनाई, 51 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत मोहनिया ग्राम रामपुर, 3 करोड़ 6 लाख के बरतरा में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन में 1 नग जी टाइप एवं 1 नग एच टाइप आवास गृहों का एवं 80 लाख की जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत धनौरा, 37 लाख के नवीन पंचायत भवन ग्राम पंचायत रैपुरा का वर्चुअल लोकार्पण किया गया। इसी प्रकार 2 करोड़ 31 लाख रुपये की राशि भखरवारा से उदयपुरा मार्ग, 1 करोड़ के सलैया फाटक से सिलपुरा तक मार्ग और 59 -59 लाख रुपये की राशि शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सिहुड़ी,बड़गांव, निटर्रा, पिपरिया में फिजिक्स केमेस्ट्री बायो लैब निर्माण का भूमि पूजन किया गया।

ननि कार्यालय सहित 5 स्थानों में शिविरों का आयोजन

लोक अदालत में रही भीड़, अधिभार की छूट का उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

नगर निगम कटनी द्वारा शनिवार को नेशनल लोक अदालत के अवसर पर शहर के पाँच प्रमुख स्थलों पर विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इस बार प्रशासन ने करदाताओं के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए, तिलक वंदन कर उनका स्वागत किया, जिससे केंद्रों पर उत्साह का वातावरण देखा गया। प्रातः 10 बजे से शुरू हुए इन शिविरों में शासन के निर्देशानुसार नागरिकों को संपत्तिकर एवं जलकर के अधिभार में छूट का लाभ प्रदान किया गया। शिविरों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक ने स्वयं मोर्चा संभाला। उन्होंने सुबह से ही विभिन्न केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले नागरिकों के लिए बैठने की उत्तम व्यवस्था, शीतल पेयजल और तकनीकी मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी करदाता को परेशानी न हो।

राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक द्वारा निरंतर शिविर स्थलों का निरीक्षण किया। शहर के निम्नलिखित केंद्रों पर अधिकारी नागरिकों के प्रकरणों का निराकरण किया गया।नगर निगम मुख्य कार्यालय में मुख्यालय स्तर पर लंबित प्रकरणों का निपटारा किया गया। बस स्टैंड में इंजीनियर सुनील सिंह की मॉनिटरिंग में शिविर संचालित है, जहाँ बड़ी संख्या में करदाता पहुँचे। दुर्गा चौक, खिरहनी में क्षेत्रीय नागरिकों के लिए सुलभ केंद्र। माधवनगर क्षेत्र के निवासियों के लिए विशेष व्यवस्था।सुभाष चौकः शहर के मध्य स्थित होने के कारण यहाँ भी करदाताओं की आवाजाही बनी रही।

नगर निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील किया कि वे लोक अदालत के इन विशेष शिविरों का लाभ उठाकर अपने लंबित करों का भुगतान करें। अधिभार में मिल रही यह छूट एक सीमित अवसर है, जिसका उपयोग कर नागरिक न केवल अपनी आर्थिक बचत कर सकते हैं, बल्कि नगर की स्वच्छता और विकास कार्यों में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

---

136 युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ विजयराघवढ़

स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय एवं स्किल डेवलपमेंट सेंटर कैमोर के संयुक्त तत्वाधान में भव्य प्लेसमेंट ड्राइव का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 288 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 136 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा किया गया। चयनित छात्र-छात्राओं को मौके पर ही जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए गए, जिससे समस्त विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला।इस प्लेसमेंट ड्राइव में कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया।

कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा छात्र-छात्राओं का इंटरव्यू लेकर योग्य उम्मीदवारों का चयन किया गया तथा उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान किए गए।कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुषमा श्रीवास्तव उप-प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार के मार्गदर्शन में एवं Skill Development Centre, कैमोर के क्लस्टर हेड राकेश चटर्जी के सहयोग से संपन्न हुआ। स्किल डेवलपमेंट सेंटर, कैमोर की ओर से पियूष, राजा मालवीय, श्रीमती साधना विश्वकर्मा एवं श्रीमती अर्चना मोटवानी का विशेष सहयोग रहा।साथ ही महाविद्यालय के स्टाफ स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती ज्योति ताम्रकार, धीरज डिकोनिया, नीरज गोलहानी, डॉ. ज्योति सोनी एवं ओमकार जायसवाल का भी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान रहा।इस अवसर पर आयोजकों ने बताया कि इस प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से 136 युवाओं को अपने करियर की शुरुआत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ, जो क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायी पहल है।

ऐसे कार्यक्रम युवाओं को रोजगार से जोड़ने और उनके कौशल को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गईं तथा इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाने की बात कही गई।

खबर संक्षेप

मकान गणना के द्वितीय प्रशिक्षण का आयोजन

दमोह। दमोह में जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना के लिए द्वितीय प्रशिक्षण का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। कलेक्टर अनिल राठौर की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण में अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इस दौरान मकानों पर नंबर अंकित करने सहित अन्य आवश्यक कार्यों के संबंध में भी निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मीना मसराम, एसडीएम दमोह सौरभ गंधर्व, डीपीओ अलका दास, डीपीसी मुकेश द्विवेदी, एनआईसी अधिकारी योगेन्द्र ठाकुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

जिले में 16 से 25 मार्च तक लगेंगे संकल्प से समाधान शिविर

दमोह। जिले में शासन के "संकल्प से समाधान" अभियान के अंतर्गत 16 मार्च से 25 मार्च 2026 तक विभिन्न ब्लॉकों में ब्लॉक स्तरीय शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में नागरिक अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। शिविरों का आयोजन संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के नेतृत्व में किया जाएगा। सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और नगर पालिका अधिकारियों को शासन के निर्देशों के अनुसार शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।16 मार्च 2026 को मानस भवन दमोह शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार 17 मार्च 2026 को आजीविका भवन पटेरा, 18 मार्च 2026 को मंगल भवन हटा, 23 मार्च 2026 को सामुदायिक भवन पथरिया, 24 मार्च 2026 को जनपद पंचायत कार्यालय परिसर तेन्दूखेड़ा, 24 मार्च 2026 को आजीविका भवन बटियागढ़ एवं 25 मार्च 2026 को मंगल भवन जबेरा में शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

शनिवार को नायब तहसीलदार ने किया गैस गोदाम का निरीक्षण

गैस एजेंसी पर उमड़ रही उपभोक्ताओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

विगत दिनों से चल रहे युद्ध का असर गैस सिलेंडर वितरण पर नजर आ रहा है जिसके चलते नगर में संचालित गैस एजेंसी पर सुबह से लेकर शाम तक गैस सिलेंडर बुक कराने उपभोक्ताओं की भीड़ देखी जा रहीं हैं। वहीं ऊपर से मिले आदेशों के बाद एजेंसी द्वारा अचानक व्यावसायिक सिलेंडरों पर रोक लगाए जाने से गैस सिलेंडरों पर आधारित होटल व्यवसायियों और छोटे चाय दुकानदार अपना कारोबार बंद करने की कगार पर पहुंच गए हैं।

एलपीजी संकट के दौरान व्यावसायिक सिलेंडर पर पूरी तरह रोक के बाद हटा में भी हालात बिगड़ने लगे हैं। हालात यह है कि गैस संकट से क्षेत्र पर भी

विपरीत प्रभाव पड़ने लगा हैं। व्यावसायिक गैस पर पूरी तरह रोक के बाद से शादियों के सीजन में गैस का

संकट होने लगा है। हालांकि एंजेसी संचालकों की माने तो घरेलू सिलेंडर तो उपलब्ध है लेकिन अफवाहों के कारण लोग पैनिक हो रहे है। जिनकी बुकिंग को एक या दो दिन बीते है वह भी बार-बार गैस एंजेसी के चक्कर काट रहे है। इसके अलावा गैस बुकिंग सर्वर बड़ी बाधा बन रहा है। इन्हीं सब समस्याओं और अफवाहों के चलते कलेक्टर दमोह द्वारा बैठक आयोजित कर जिले में टीम गठित कर एजेंसियों का निरीक्षण करने के आदेश जारी किए जिसके परिपालन में शनिवार को नायब तहसीलदार राजेश सोनी ने प्रभारी आरआई अनिल शुक्ला के साथ पटेल गैस एजेंसी के ऑफिस और रनेह रोड पर गैस गोदाम पर पहुंचकर निरीक्षण कर पूरी स्थिति का जायजा लिया।

नायब तहसीलदार राजेश सोनी ने मौके पर मौजूद गैस सिलेंडर के स्टॉक और उसकी आपूर्ति व्यवस्था की गहनता से जांच की। गैस एजेंसी के मैनेजर दिनेश पटेल से स्टॉक एवं वितरण की जानकारी ली और इस दौरान मौजूद उपभोक्ताओं से भी गैस की उपलब्धता की चर्चा कर जानकारी दी।

नायब तहसीलदार ने बताया कि कलेक्टर के आदेश पर हटा की गैस एजेंसियों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि घरेलू उपयोग में आने वाले गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उपभोक्ता परेशान न हो बुकिंग के बाद तय समय सीमा में उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिल रहे हैं। उन्होंने शहर के निवासियों को आश्वस्त किया कि घरेलू गैस की पर्याप्त व्यवस्था है और उन्हें किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एजेंसी द्वारा नियमित रूप से गैस सिलेंडरों की पूर्ति की जा रही है। लेकिन व्यावसायिक उपयोग के लिए दुकानदारों द्वारा कमर्शियल सिलेंडर की कमी बताई जा रही है।

दुकानों पर घरेलू गैस के इस्तेमाल पर होगी कार्यवाही

प्रशासन ने स्पष्ट किया है व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर पूर्व से घरेलू गैस सिलेंडर प्रतिबंधित हैं लेकिन अब इन निर्देशों का ज्यादा सख्ती से पालन किया जाएगा। अगर किसी भी प्रतिष्ठान, दुकान, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा आदि पर घरेलू गैस सिलेंडर इस्तेमाल होता पाया गया तो सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जा सकती है।

खरमास - आज से 14 अप्रैल तक मांगलिक कार्यों पर लगेगा विराम

चैत्र नवरात्र पर पंचक और मलमास का साया

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेडा

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा, लेकिन ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार इस अवधि में शुभ कार्यों पर ब्रेक लगा रहेगा आज से सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करते ही खरमास (मलमास) का प्रारंभ हो रहा है, जो आगामी 14 अप्रैल तक चलेगा। इसके साथ ही नवरात्रि के शुरुआती दिनों में पंचक का भी साया रहने वाला है। ऐसे में नवरात्रि के पावन दिनों में देवी उपासना तो श्रेष्ठ रहेगी, लेकिन विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों के लिए भक्तों को अभी लंबा इंतजार करना होगा।

नवरात्रि और पंचक का संयोग

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत इस बार विशेष नक्षत्रों के बीच हो रही है। नवरात्रि के प्रारंभिक दौर में पंचक लगने के कारण निर्माण कार्यों या दक्षिण दिशा की यात्राओं में सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। हालांकि, ज्योतिषियों का स्पष्ट मत है कि नवरात्रि में देवी की पूजा-अर्चना और आध्यात्मिक अनुष्ठानों पर पंचक या खरमास का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता

क्या है खरमासः

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब सूर्य देव बृहस्पति की राशि (धनु या मीन) में प्रवेश करते हैं, तो उस अवधि को खरमास या मलमास कहा जाता है। खरमास में सूर्य का तेज कम हो जाता है और गुरु (बृहस्पति) निस्तेज हो जाते हैं। चूंकि सनातन धर्म में किसी भी शुभ कार्य के लिए सूर्य और गुरु की स्थिति मजबूत होनी अनिवार्य है, इसलिए 14 अप्रैल (मेष संक्रांति) तक शादी-विवाह, मुंडन, जनेऊ संस्कार और नए व्यापार की शुरुआत वर्जित रहेगी।

मलमास में क्या न करें

विवाह, मुंडन, सगाई, गृह प्रवेश, नया व्यवसाय शुरु करना या मकान निर्माण का कार्य वर्जित है। वहीं वाहन, भूमि व भवन की खरीदी से भी बचें। इस दौरान लहसुन प्याज, मांस मंदिरा, शहद, उड़द की दाल ओर सरसों के तेल का सेवन वर्जित माना गया है। मलमास में पीले वस्त्र, पीले फल और अनाज का दान करना विशेष पुण्यदायी माना गया है। वहीं भगवान विष्णु के मंत्रो का जाप तथा विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें। वहीं प्रतिदिन सूर्य देव को जल अर्पित करना चाहिए। एक समय सात्विक भोजन करें और व्रत धारण करना चाहिए।

मंडी समिति जबेरा को राज सात की गई मूंगफली की राशि प्राप्त हुई

जबेरा। कृषि उपज मंडी समिति जबेरा के द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया गया है कि दिनांक 14/ 11 /2025 को उड़न दस्ता दल के द्वारा वाहन (ट्रक)क्रमांक सी जी 04 -NP 3700 मैं मूंगफली दाना लगभग 350 क्विंटल जप्त किया गया था माननीय न्यायालय के आदेश अनुसार जप्त सुदा माल की राजसात की कार्यवाही की गई थी,राजसात की कार्यवाही में राशि 2682152 (छब्बीस लाख व्यासी हजार एक सो बाबन) रूपये मात्र मंडी समिति जबेरा को प्राप्त हो चुके हैं। उक्त राजसात की कार्यवाही में प्रबंध संचालक भोपाल श्री कुमार पुरुषोत्तम एवं संयुक्त संचालक सागर रोहिणी प्रसाद चक्रवर्ती एवं न्यायालय दमोह से अधिवक्ता प्रशांत सिंह हजारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कृषि उपज मंडी समिति जबेरा से सचिव चाली राजा आनंद प्रताप सिंह,सहायक उप निरीक्षक, लक्ष्मण राय, बसंत खरे,श्रवण सिंह ठाकुर, आकाश कोरी,एवं रामदास अहिरवार सहायक उप निरीक्षक का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

तेंदूखेड़ा में की गई गैस कंपनी की जाँच

दमोह। तहसीलदार तेंदुखेड़ा विवेक व्यास एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी तेंदूखेड़ा आदित्य दाहिया द्वारा संयुक्त रूप से प्रियंका गैस सर्विस तेंदूखेड़ा में घरेलू गैस की उपलब्धता के संबंध में जाँच की। जांच में पाया गया कि गैस कंपनी से लगातार सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है एवं उपभोक्ताओं को भी लगातार बुकिंग के आधार पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जांच समय तक 266 उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध कराए गए हैं।

नेशनल लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेडा

खंडपीठ क्रमांक 23, न्यायालय तेंदूखेड़ा में वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन न्यायाधीश पूजित कमल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति के आधार पर निराकरण कर पक्षकारों को त्वरित न्याय प्रदान किया गया। नेशनल लोक अदालत के दौरान कुल 18 आपराधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। साथ ही दहेज प्रताड़ना से संबंधित एक प्रकरण, जो धारा 498ए के अंतर्गत था, को खारिज किया गया। इसके अतिरिक्त एक अपंजीकृत प्रकरण का भी आपसी समझौते के माध्यम से समाधान किया गया। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान से संबंधित प्रकरणों की भी सुनवाई की गई। इस दौरान 43 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 17,700 रुपये की राशि शासकीय मद में जमा कराई गई। इसी प्रकार नगर पालिका से संबंधित जलकर एवं संपत्ति कर के 257 प्रकरणों का भी सफलतापूर्वक निपटारा किया गया, जिनसे कुल 4,49,000 रुपये की राजस्व राशि प्राप्त हुई। इस अवसर पर न्यायाधीश पूजित कमल ने कहा कि नेशनल लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को त्वरित, सरल एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण होने से न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम होती है, साथ ही पक्षकारों के समय और धन दोनों की बचत होती है। इससे आपसी सौहार्द और सामाजिक समरसता भी बनी रहती है। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता, न्यायालय के कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से नेशनल लोक अदालत का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा अनेक मामलों का सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाधान किया गया।

पांजी में सामुदायिक भवन का किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेडा/जबेरा

शनिवार को जबेरा विधानसभा के विधायक व राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम पांजी पहुंचे जहां पर उन्होंने 25 लाख रुपए की लागत से निर्माण होने वाले सामुदायिक भवन का भूमि पूजन किया इसके पश्चात पिड़रई में 65 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया मंत्री श्री लोधी ने कहा कि हम निरंतर विधानसभा में कार्य कर रहे हैं और प्रदेश में क्रमांक की विधानसभा बनाएंगे जिसके लिए सामुदायिक भवन के निर्माण से ग्राम वासियों को सामाजिक कार्य करने में सुविधा प्राप्त होगी विवाह जैसे बड़े कार्य किए जा सकेंगे मेरा सपना है कि विधानसभा के प्रत्येक ग्राम में एक समुदाय एक भवन बनाया जायेगा।

पिंडरई में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया गया है जिससे कि ग्राम वासियों सहित अन्य ग्रामों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त होगी इसके पहले लोग तेंदूखेड़ा या दमोह इलाज के लिए जाते लेकिन अब इलाज ग्राम में ही उपलब्ध रहेगी जिसमें 24 घंटे एएनएम एवं सीएचओ सेवाएं देंगे स्वास्थ्य के हम निरंतर कार्य कर रहे हैं एवं 2 बड़े-बड़े प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तारादेही जैसे आउट एरिया में बनकर तैयार है और एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चोपरा में निर्माणधीन है जिसका जल्द ही लोकार्पण किया जाएगा इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सरेश जैन सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी पूर्व सांसद प्रतिनिधि डॉ परम सिंह लोधी विधायक प्रतिनिधि चेतन जैन डॉ पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव नेता पंडित नर्मदा प्रसाद दुबे परसोत्तम ठाकुर एवं सरपंच सचिव सहित ग्रामवासी मौजूद थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में किया जल संरक्षण के प्रति जागरुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार जैन की गरिमामयी उपस्थिति और दिशा निर्देशन तथा कार्यक्रम का संचालन प्रभारी डॉ. मीरा माधुरी महंत एवं सहप्रभारी डॉ. राहुल कुमार दुबे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा जागरूकता रैली जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 30 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जल संरक्षण के महत्व को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया।प्रतियोगिताओं के परिणामों में स्लोगन प्रतियोगिता में सुषमा लोधी, निबंध प्रतियोगिता में राजकुमारी लोधी, तथा भाषण प्रतियोगिता में जेसिका (श्रंलेपां) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. जैन द्वारा विद्यार्थियों को जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को जल बचाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जल गंगा अभियान 2026 में सहभागिता रही।

31 को आयोजित हास्य कवि सम्मेलन के लिए युवक क्रांति संगठन ने की बैठक

दमोह। युवक क्रांति संगठन द्वारा 31 मार्च 2026 मंगलवार को आयोजित होने वाले अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन की तैयारियों को लेकर स्थानीय अरिहंत रेसिडेंसी में राष्ट्रीय कवियत्री काव्या मिश्रा,के मुख्य आतिथ्य, संयोजिका डॉ.किरण गोस्वामी की अध्यक्षता महिला शाखा की बैठक संपन्न हुई जिसमें अध्यक्ष प्रीति गौतम ने बताया कि कवि सम्मेलन में जबलपुर हाईकोर्ट की पूर्व न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन,पूर्व आई.ए.एस. सुरेश जैन,दमोह पूर्व कलेक्टर श्री प्रभुदयाल मीना मुख्य अतिथि के रूप में पधार रहे है। इस अवसर पर महिला शाखा की शपथ ग्रहण,स्मारिका विमोचन के साथ नगर की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। कवि सम्मेलन के संयोजक सुधीर विद्यार्थी ने बताया कि प्रमुख कविगणों में कुंवर जावेद (राजस्थान),अतुल ज्वाला (इंदौर),भूपेन्द्र राठौर (कोटा),मुकेश मनमौजी (छपारा),डा. प्रेरणा ठाकरे (नीमच),डा.शुभम् त्यागी (मेरठ),सुश्री काव्या मिश्रा (मुम्बई),श्रीमती बबीता चैबे (दमोह),को आमंत्रित किया गया है।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री श्रीमती रेखा सिंघई ने सभी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए।बताया कि यह आयोजन इस बार कीर्ति स्तंभ के पास किया जा रहा है। अतः संगठन की महिला शाखा जिला शाखा की सदस्यों कि सहयोग की अपील की। बैठक में श्रीमति दुर्गेश मिश्रा,श्रीमति वंदना जैन,श्रीमति सुरभि जैन,श्रीमति नीलू जैन,श्रीमती कीर्ति भटट,श्रीमती प्रज्ञा तिवारी आदि के साथ जिला महामंत्री मनोज जैन पत्रकार रूपचंद जैन, अकरम खान,जयकुमार जैन सौरभ विद्यार्थी, ने अपने विचार रखते हुए सभी सदस्यों के साथ सभी नागरिकों से सहयोग की अपील की।

हटा महाविद्यालय के राजधर अठया को मिला अंतर्राष्ट्रीय हिंदी गौरव सम्मान

हटा। अंतरराष्ट्रीय साहित्य अर्पण मंच के वार्षिक सम्मान समारोह में हटा विधानसभा अंतर्गत नरगी गांव निवासी राजधर अठया को हिंदी साहित्य जगत के 'हिंदी गौरव सम्मान' द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन लोगों को दिया जाता है जो हिंदी भाषा में ज्ञान-विज्ञान की मौलिक पुस्तकों का लेखन या हिंदी भाषा में स्वरचित उत्कृष्ट कविताएं लेखन इत्यादि में रुचि रखते हैं। राजधर अठया हिंदी साहित्य जगत में, हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं उनके द्वारा लिखीं गई स्वरचित हिंदी भाषी कविताएं जैसे 'देश का आधार हिंदी', 'शिव-शक्ति', 'आया बसंत', प्यारी-प्यारी गौरैया इत्यादि समय-समय पर पुस्तकों और पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई हैं। उनके इन्हीं उत्कृष्ट लेखन कौशल के लिए दुबई से संचालित अंतरराष्ट्रीय साहित्य अर्पण मंच द्वारा हिन्दी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। राजधर अठया ने बताया कि वह हटा विधानसभा अंतर्गत मडियादो क्षेत्र के नरगी गांव के निवासी हैं, पिता का नाम श्री हजारी प्रसाद अठया है। वर्तमान में वह हटा के श्री राघवेन्द्र सिंह हजारी शासकीय महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं। उन्होंने 17 वर्ष की आयु से कविताएं लिखना शुरू किया था अभी उनकी आयु 21 वर्ष है। सबसे पहली उनकी रचना महिला सशक्तीकरण पर आधारित थी जो उस समय समाचारपत्र में निकली थी जिसके बाद से वह लगातार कविताएं लेखन में सक्रिय रहे हैं और कई बार कार्यक्रमों में स्वरचित काव्यपाठ भी कर चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय साहित्य अर्पण में वह मध्यप्रदेश शाखा सचिव भी हैं। उनका कहना है कि यह सम्मान पत्र सिर्फ एक प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा के प्रति उनके समर्पण, मेहनत और प्रयासों का परिणाम है। हम सदैव ही अपनी राष्ट्रभाषा के लिए संकल्पित और समर्पित रहे हैं और इसी तरह आगे भी प्रयासरत रहेंगे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया औषधीय पौधों का महत्व

दमोह। टाईम्स महाविद्यालय के एजुकेशन के छात्र-छात्राओं द्वारा ग्राम बांदकपुर में सामुदायिक कार्य किया गया जिसमें छात्रों द्वारा नगर में रैली निकाल कर पेड़ बचाओ जीवन बचाओ जैसे नारों के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण एवं पेड़ो के बचाव का संदेश दिया। छात्रों द्वारा मंदिर प्रांगण के सामने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनसामान्य को औषधीय पौधों से अवगत कराया। कार्यक्रम में नायब तहसीलदार प्रीतम सिंह, ग्राम बांदकपुर के सरपंच डबुल्या जी, सहायक प्रबंधक केदारनाथ दुबे एवं चैकी प्रभारी राजेन्द्र मिश्रा जी की सहभागिता रही। उपस्थित गणमान्य नागरिकों एवं अधिकारियों ने छात्र-छात्राओ द्वारा नुक्कड़ नाटक से दिये गये संदेश की सराहनाकी। साथ ही सरपंच महोदय जी द्वारा छात्र-छात्राओं को औषधीय पौधों एवं अन्य पौधों का महत्व बताया। कार्यक्रम अधिकारी संजय विष्वकर्मा द्वारा सभी मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में डा निषा सरवरिया, सुश्री श्वेता दुबे, श्रीमति पार्वती लोधी, श्रीमति पूनम खरे, सोनाली सिंह परिहार, बाबू पटैल एवं शरद नामदेव का सराहनीय योगदान रहा।

मानवता का मूल कर्तव्य धर्म की रक्षा तथा राष्ट्र की सेवाः आशीष शुक्ला

भव्यता पूर्वक संपन्न हुआ दिव्य चालीसा पाठ

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबेरा

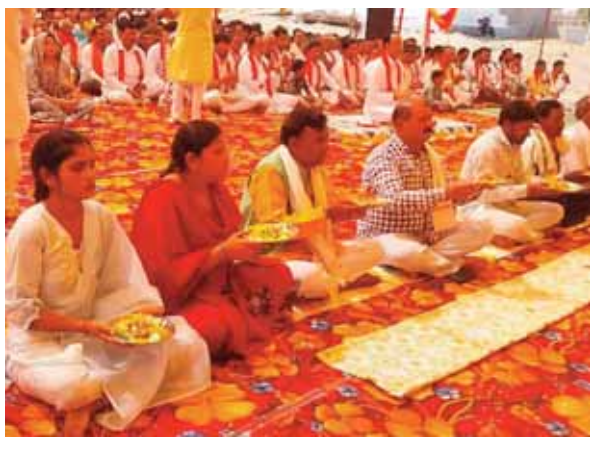

भगवती मानव कल्याण संगठन जबेरा एवं पंच ज्योति शक्ति तीर्थ सिद्धाश्रम धाम के संयुक्त तत्वाधान में जवेरा जनपद के ग्राम परसवाहा में 13 मार्च 2026 से प्रारंभ होकर 14 मार्च 2026 को दोपहर 11:00 बजे संपन्न हुआ। समापन की बेला में सिद्धाश्रम धाम से चलकर आए भगवती मानव कल्याण संगठन के केंद्रीय मुख्य सचिव सिद्धाश्रम रत्न आशीष शुक्ला उर्फ राजू भैया का शुभ आगमन हुआ। 24 घंटे के दिव्य चालीसा पाठ में उपस्थित हुए सभी जाति धर्म संप्रदाय के लोगों के लिए संबोधित करते हुए केंद्रीय मुख्य सचिव जी ने कहा कि हमारे सिद्धाश्रम धाम की विभूति हमारे मां गुरुवर के जय घोष लग रहे थे तो बहुत कम आवाज आ रही थी। बहुत कम तालियां बज रही लेकिन बज रही थी महत्वपूर्ण है कि बज रही थी जब हम ऐसे कार्यक्रम में उपस्थित होते हैं। धार्मिक कार्यक्रम में उपस्थित होते हैं। आध्यात्मिक कार्यक्रम में उपस्थित होते हैं तो सबसे पहले ध्यान आता है कि बड़े भाग्य मानुष तन पाया है और मनुष्य तन पाने की महिमा परम पूज्य गुरुवर जी से उत्तम आज कोई नहीं बखान कर सकता। परम पूज्य गुरुवर ने कहा कि आत्म उत्थान के लिए प्रकृति के बने उत्थान की रचना मानव शरीर है।

काम क्रोध लोभ मोह का जीवन जीव जंतु कीट पतंग आप देखिए की एक छोटी सी चींटी के लिए आप दवा देंगे तो वह भी आपको काट देगी। यह स्वभाव उसमें भी होता है यदि मधुमक्खी के छाते में आप हाथ डालोगे या उसकी शहद निकालने का प्रयास करोगे तो वह भी काट लेगी।

यह उसका स्वभाव है जीव जंतुओं से बेहतर मनुष्य जीवन महत्वपूर्ण क्यों है जिसको सार्थक बताया क्यों जरूरी है जब गुरुवर ने विशिष्ट बताया है और हमें बार-बार विथीत होना चाहिए इसलिए मंचों से बताया जाता है गुरुदेव ने भी कहा है कि काम क्रोध लोग मोहसे तो सारी सृष्टि लिप्त है लेकिन मनुष्य जीवन काम क्रोध लोभ मोह को पराजित करके सातों चक्रों का मुख्य द्वार सा स्ट्रांग मौजूद है जिससे मनुष्य मैं ब्रह्मांड की स्थापित होने की बात कही जाती है और हमें अपने विवेक को जागृत करने की आवश्यकता होती है जिससे मनुष्य के मूल कर्तव्यों का पालन किया जा सके।

परम पूज्य गुरुवर श्री ने कथा वाचक नहीं बनाया गुरुवर जी ने हम लोगों के लिए किस कहानी नहीं बताया गुरुदेव जी ने हमें वाद्य यंत्रों में नाचना धड़कन नहीं सिखाया गुरुदेव जी ने हमें साधना आराधना करना सिखाया आज समाज की ब्रह्म है की मेरुदंड को सीधी करके बैठना नहीं जानते मेरुदंड को सीधे रखने से शरीर की कई बीमारियां दूर हो जाती हैं परम पूज्य गुरुदेव जी ने हमें वह मार्ग प्रदान किया नशा मुक्त मांसाहार मुक्त जीवन जीते मां की साधना आराधना करना सिखाया पर स्वाहा के इस ग्राम में नाच गाना के बिना इतने लोग उम्र पड़े यही गुरुवर की असीम कृपा है मंच का संचालन प्रांतीय प्रवक्ता भैया बाबूलाल विश्वकर्मा जी ने किया आए हुए सभी मां के भक्तों का आभार व्यक्त परस्वाहा ग्राम के टीम प्रमुख जी ने किया ,अंत में

दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटकों का सामना कर रहे दुनिया के बाजार

निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ की कमी आई

गिरता बाजार दे रहा निवेश का मौका सावधानी के साथ उठा सकते हैं फायदा

भारतीय इक्विटी बाजारों को पिछले दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटके (क्रूड शॉक) का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध और बढ़ती तेल कीमतों ने वैश्विक निवेशकों को डरा दिया है और सेंसेक्स तथा निफ्टी भी इस बिकवाली से अछूते नहीं रहे हैं। संघर्ष शुरू होने के बाद से सिर्फ दो हफ्तों और नौ ट्रेडिंग सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। युद्ध खत्म होने के अभी कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि दलाल स्ट्रीट पर चल रही यह गिरावट कब और कहां थमेगी। 27 फरवरी को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 46,325,200.41 करोड़ रुपये था। 13 मार्च 2025 तक यह घटकर 42,939,960.29 करोड़ रुपये रह गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें (एक समय यह लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं), वैश्विक बाजारों में लगातार बिकवाली, विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी और भारतीय रुपये की कमजोरी इन सभी ने बाजार की धारणा को कमजोर किया है। निफ्टी-50 ने कई वर्षों में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने का असर सिर्फ तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर ही नहीं, बल्कि अन्य व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है, जिसका प्रभाव भारत के कई क्षेत्रों पर पड़ सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि निवेशकों को क्या करना चाहिए—क्या उन्हें शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना चाहिए?

शेयर बाजार की स्थिति : क्या दीर्घकालिक विकास की कहानी बरकरार है?

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के समय सामान्य गिरावट भी वास्तविकता से कहीं ज्यादा गंभीर दिखाई दे सकती है। उनका मानना है कि भारतीय निवेशकों के नजरिये से भारतीय शेयर बाजार की दीर्घकालिक संभावनाएं अब भी सकारात्मक हैं। वे यह भी बताते हैं कि वैश्विक संकटों के बीच भी भारत की विकास दर मजबूत बनी हुई है। मूडीज एनालिटिक्स के अनुसार हालिया शिखरों से पिछले 12 महीनों की गिरावट को देखें तो चीन और भारत दोनों में गिरावट अपेक्षाकृत सीमित रही है और यह सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव के अनुरूप है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि दोनों अर्थव्यवस्थाएं खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों से बड़ी मात्रा में तेल आयात करती हैं, लेकिन घरेलू खपत में ऊर्जा आयात का हिस्सा अपेक्षाकृत कम है, जिससे तेल कीमतों के झटकों के प्रति उनकी संवेदनशीलता सीमित रहती है। इसके अलावा शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की भागीदारी भी अपेक्षाकृत कम है और चीन में पूंजी नियंत्रण भी अस्थिरता को सीमित करते हैं।

कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण मजबूत

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि भारत की दीर्घकालिक विकास और निवेश की कहानी अभी भी मजबूत है। उनके अनुसार बढ़ती घरेलू खपत, निरंतर बुनियादी ढांचा निवेश, व्यापक डिजिटल परिवर्तन और कॉरपोरेट बैलेंस शीट में सुधार जैसे संरचनात्मक कारक बाजार के सकारात्मक दृष्टिकोण को समर्थन देते हैं। इसके साथ ही विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां, ऊर्जा संक्रमण, कर सुधार, बुनियादी ढांचा विकास और निजी पूंजी निवेश में बढ़ोतरी भी इस दृष्टिकोण को मजबूत करती है। एक प्रमुख धारणा यह भी है कि मौजूदा अमेरिका-ईरान युद्ध लंबे समय तक नहीं चलेगा। हालांकि इससे बाजार मूल्यांकन दीर्घकालिक औसत से नीचे आ गया है, लेकिन आने वाले महीनों में वैल्यू-बायिंग के कारण तेज उछाल देखने को मिल सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण भी मजबूत माना जा रहा है।

तेज गिरावट से अब वैल्यूएशन आकर्षक

एसबीआई सिक्योरिटीज में फंडामेंटल रिसर्च प्रमुख सनी अग्रवाल का कहना है कि इतिहास बताता है कि बाजार हमेशा चिंता की दीवार चढ़ता है। बाजार ने कई युद्ध, वैश्विक आर्थिक संकट और महामारी जैसी स्थितियां देखी हैं और हर बार नए उच्च स्तर तक पहुंचा है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि लगभग 17 महीने तक ठहराव के बाद अगले 6 महीने से 3 साल के दौरान इक्विटी ने शानदार रिटर्न दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ महीनों में बाजार में आई तेज गिरावट के कारण अब वैल्यूएशन आकर्षक हो गए हैं। इनक्रेड मनी के सीईओ विजय कुप्पा बताते हैं कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के कारण भारतीय बाजार प्रभावित हुआ है।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य

आनंद राठी वेल्थ के कार्यकारी निदेशक चिराग मुनी के अनुसार अगले पांच वर्षों में भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहने की संभावना है। वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6–7 प्रतिशत के आसपास रहने और मुद्रास्फीति 4–5 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है, जिससे नाममात्र जीडीपी वृद्धि लगभग 11–12 प्रतिशत रह सकती है। इससे दीर्घकाल में कॉरपोरेट आय और शेयर बाजार को समर्थन मिलेगा। वे बताते हैं कि 2001 के बाद से लगभग 18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य रही है और बाजार आम तौर पर एक साल में इससे उबर जाता है। भू-राजनीतिक तनाव के दौरान भी निफ्टी में 5–7 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिलती है और अधिकांश मामलों में एक महीने के भीतर बाजार संभल जाता है। घरेलू निवेशकों की भागीदारी भी बाजार को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 2025 में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 7.88 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि विदेशी निवेशकों ने करीब 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की। मार्च 2026 में भी स्मॉल-कैप फंड्स में लगभग 700 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। इससे पता चलता है कि निवेशक घबराहट में फैसले नहीं ले रहे हैं।

निवेशकों को क्या करना चाहिए?

विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य-पूर्व युद्ध और ऊर्जा कीमतों पर इसका असर अगले कुछ हफ्तों में कम हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज के अनुसार निवेशकों को इस अवसर का उपयोग दीर्घकालिक निवेश के लिए करना चाहिए और मजबूत बुनियादी कंपनियों में निवेश बढ़ाना चाहिए। जिन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन की संभावना है उनमें बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई), ऑटो और ऑटो एंसिलरी, कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी, न्यू-एज बिजनेस तथा पावर सेक्टर शामिल हैं। विजय कुप्पा का कहना है कि स्मॉल और मिडकैप शेयरों में अच्छी कीमत और समय के आधार पर सुधार हो चुका है। निवेशकों को हर गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश बढ़ाना चाहिए। जो निवेशक सीधे शेयरों में निवेश करने में सहज नहीं हैं, वे ईटीएफ या म्यूचुअल फंड के माध्यम से निवेश कर सकते हैं। विशेषज्ञ संतुलित पोर्टफोलियो बनाए रखने की सलाह देते हैं। चिराग मुनी के अनुसार दीर्घकालिक निवेशकों को अनुशासन बनाए रखना चाहिए और निवेश रणनीति से विचलित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पोर्टफोलियो में लगभग 80 प्रतिशत निवेश इक्विटी और 20 प्रतिशत डेट में रखना उचित हो सकता है। इक्विटी हिस्से में 55 प्रतिशत लार्ज-कैप और बाकी मिड व स्मॉल-कैप में निवेश किया जा सकता है। 10–15 प्रतिशत की बाजार गिरावट को अतिरिक्त निवेश के अवसर के रूप में देखा जा सकता है, जिससे निवेशक भविष्य में होने वाली रिकवरी का लाभ उठा सकें। हालांकि मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च विश्लेषक थॉमस वी. अब्राहम थोड़ी सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार यदि संकट लंबा खिंचता है तो यह कॉरपोरेट मुनाफे पर दबाव डाल सकता है, पूंजी निवेश को टाल सकता है और विनिर्माण, फार्मा तथा हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में आय वृद्धि को सीमित कर सकता है। उनकी सलाह है कि निवेशक मौजूदा निवेश बनाए रखें, लेकिन पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता के लिए पुनर्संतुलित करें। नई पूंजी को चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में लगाया जा सकता है।

ऐसा रख सकते हैं पोर्टफोलियो

- रक्षात्मक निवेश (60–70%): फार्मा और एफएमसीजी जैसे सेक्टर
- अवसरवादी निवेश (20–30%): बड़े कैप शेयर जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज में निवेश
- हेज (लगभग 10%): सोना, गोल्ड ईटीएफ, सॉवरेन बॉन्ड या 3–6 महीने की फिक्स्ड डिपॉजिट
- इस मिश्रण से अस्थिर दौर में स्थिरता बनाए रखते हुए अवसरों का लाभ उठाया जा सकता है।

सरकारी बैंकों की स्पेशल एफडी दे रही अच्छा रिटर्न

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश की तलाश करने वाले लोगों के लिए इस समय सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा (एफडी) योजनाएं आकर्षक विकल्प बनकर सामने आई हैं। देश के कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सीमित अवधि के लिए विशेष सावधि जमा योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें सामान्य सावधि जमा की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जा रही है। इन योजनाओं की अवधि भी अपेक्षाकृत कम रखी गई है, जिससे निवेशकों को कम समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। बैंक समय-समय पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ऐसी विशेष योजनाएं लाते हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य बचत को बढ़ावा देना और बैंकिंग प्रणाली में निवेश को प्रोत्साहित करना होता है। वर्तमान में कई सरकारी बैंक 400 दिन से लेकर 666 दिन तक की अवधि वाली विशेष सावधि जमा योजनाएं चला रहे हैं, जिनमें सामान्य निवेशकों को लगभग 6.45 प्रतिशत से लेकर 6.75 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है।

पंजाब एंड सिंध बैंक दे रहा सबसे अधिक ब्याज

इस समय सरकारी बैंकों में सबसे अधिक ब्याज दर पंजाब एंड सिंध बैंक की विशेष सावधि जमा योजना पर मिल रही है। यह बैंक 666 दिन की अवधि वाली विशेष एफडी पर लगभग 6.75 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दे रहा है। सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर ब्याज दर की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए यह योजना आकर्षक मानी जा रही है। अन्य सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा योजनाएं देश के अन्य कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी अपनी विशेष एफडी योजनाओं के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

किसी बैंक में कितनी ब्याज दर

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 6.65 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- केनरा बैंक- 555 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 6.50 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई - 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज

सीनियर सिटीजन को यह मिल रहा

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 7.15 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई- 444 दिन की एफडी पर 7.05 प्रतिशत ब्याज

इसलिए लोकप्रिय हो रही

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के समय में सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और अन्य जोखिमों के कारण कई निवेशक अपने पैसे को सुरक्षित विकल्पों में लगाना पसंद कर रहे हैं। ऐसे में सरकारी बैंकों की एफडी योजनाएं भरोसेमंद मानी जाती हैं।

सैलरी बढ़ने के साथ बढ़ रहे खर्चे निवेश नहीं हो पा रहा तो यह करें

बाजार की अनिश्चितता में फ्लेक्सी कैप फंड बने निवेशकों की पसंद

सही योजना और अनुशासन से ही बढ़ेगी बचत और निवेश

बिजनेस डेस्क

आमतौर पर माना जाता है कि जब किसी व्यक्ति की आय बढ़ती है तो उसकी बचत और निवेश भी बढ़ने लगते हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इससे अलग होती है। कई लोग सैलरी बढ़ने के बावजूद बचत नहीं कर पाते और निवेश भी नहीं कर पाते। इसका मुख्य कारण यह होता है कि आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी तेजी से बढ़ने लगते हैं। वित्तीय भाषा में इस स्थिति को लाइफस्टाइल इंफ्लेशन कहा जाता है। इसका अर्थ है कि जैसे-जैसे व्यक्ति की कमाई बढ़ती है, वैसे-वैसे उसका रहन-सहन और खर्च का स्तर भी बढ़ जाता है। यदि समय रहते इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं किया जाए तो अतिरिक्त आय का लाभ बचत और निवेश के बजाय खर्चों में ही समाप्त हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लोग अपनी बढ़ती आय के साथ खर्चों पर नियंत्रण रखें और व्यवस्थित तरीके से निवेश शुरू करें तो वे भविष्य के लिए मजबूत आर्थिक आधार तैयार कर सकते हैं।

छोटे-छोटे बढ़ते खर्चों पर रखें नजर

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन अचानक नहीं बढ़ता, बल्कि यह धीरे-धीरे छोटे-छोटे खर्चों से शुरू होता है। उदाहरण के लिए, सैलरी बढ़ने के बाद कई लोग पहले की तुलना में अधिक कैब का इस्तेमाल करने लगते हैं, सामान्य ब्रांड की जगह महंगे ब्रांड खरीदने लगते हैं या फिर बार-बार बाहर खाना और घूमना शुरू कर देते हैं। इसके अलावा कई लोग प्रीमियम जिम, ऑनलाइन मनोरंजन प्लेटफॉर्म या अन्य डिजिटल सेवाओं की कई सदस्यताएं भी ले लेते हैं। शुरुआत में यह खर्च बहुत छोटे लगते हैं, लेकिन समय के साथ यह आपकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा खर्च करने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि सैलरी बढ़ने के बाद भी अपने खर्चों पर नियमित नजर रखें और अनावश्यक खर्चों को सीमित करने की कोशिश करें।

खर्चों पर नियंत्रण और बजट से ही बनेगी मजबूत आर्थिक स्थिति

वेतन वृद्धि सही नजरिए से देखें

जब आपकी सैलरी बढ़े तो सबसे पहले यह तय करें कि उस अतिरिक्त आय का कितना हिस्सा खर्च करना है और कितना हिस्सा बचत या निवेश में लगाना है। कई वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सैलरी बढ़ने पर कम से कम आधा हिस्सा निवेश के लिए अलग कर देना चाहिए। इससे एक ओर आपकी बचत और निवेश लगातार बढ़ता रहेगा और दूसरी ओर आप अपनी आय में वृद्धि का आनंद भी ले पाएंगे। यदि आप अपनी आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश भी बढ़ाते हैं तो लंबे समय में बड़ी पूंजी तैयार कर सकते हैं।

स्थायी खर्च करने से पहले सोचें

कुछ खर्च ऐसे होते हैं जो लंबे समय के लिए आपकी आर्थिक जिम्मेदारी बन जाते हैं। उदाहरण के लिए बड़ा घर किराए पर लेना, कार खरीदने के लिए कर्ज लेना या फिर महंगे क्लब और सेवाओं की सदस्यता लेना। ऐसे फैसले लेने से पहले यह जरूर सोचें कि यदि भविष्य में आपकी सैलरी कुछ समय तक नहीं बढ़ती या आय में कमी आ जाती है, तो क्या आप इन खर्चों को आसानी से संभाल पाएंगे। वित्तीय योजना बनाते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि आपकी आय का बड़ा हिस्सा स्थायी खर्चों में न फंस जाए। इससे आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

जीवनशैली को धीरे-धीरे सुधारें

सैलरी बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आप तुरंत अपनी पूरी जीवनशैली बदल दें। बेहतर तरीका यह है कि धीरे-धीरे और सोच-समझकर अपने जीवन स्तर में सुधार करें। उदाहरण के लिए, सबसे पहले स्वास्थ्य बीमा, आपातकालीन फंड और दीर्घकालीन निवेश जैसे जरूरी वित्तीय कदम उठाएं। इसके बाद ही अन्य खर्चों पर ध्यान दें। धीरे-धीरे जीवनशैली में बदलाव करने से आपकी आय और खर्च के बीच संतुलन बना रहता है और भविष्य के लिए मजबूत बचत भी तैयार होती है।

बजट बनाना भी जरूरी

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन को नियंत्रित करने के लिए मासिक बजट बनाना भी बहुत जरूरी है। यदि आप अपनी आय और खर्च का रिकॉर्ड रखते हैं तो आपको आसानी से पता चल जाता है कि आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है। बजट बनाने से आप यह तय कर सकते हैं कि कितनी राशि जरूरी खर्चों पर जाएगी, कितनी बचत में और कितनी निवेश में। इससे अनावश्यक खर्चों को कम करना आसान हो जाता है।

निवेश की आदत बनाएं : विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश को खर्च की तरह ही एक नियमित आदत बना लेना चाहिए। जैसे ही सैलरी आपके खाते में आए, उसी समय कुछ राशि निवेश के लिए अलग कर दें। यदि निवेश को प्राथमिकता दी जाए तो धीरे-धीरे बड़ी पूंजी तैयार हो सकती है और भविष्य में आर्थिक सुरक्षा भी मिलती है।

भू-राजनीतिक तनाव और उतार-चढ़ाव के दौर में रणनीतिक परिसंपत्ति आवंटन से बेहतर रिटर्न की उम्मीद

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड एक समझदारी भरा विकल्प बनकर उभर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ऐसे फंड निवेशकों को बेहतर संतुलन और दीर्घकालीन रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं। फ्लेक्सी-कैप फंड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इनमें निवेश का वितरण बाजार पूंजीकरण के आधार पर तय नहीं होता। यानी फंड प्रबंधक अपनी रणनीति के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे बाजार की स्थिति के अनुसार जोखिम को नियंत्रित करने और अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिलती है। फ्लेक्सी-कैप फंड का यही लचीलापन बाजार के विभिन्न चरणों में निवेशकों के लिए उपयोगी साबित होता है। उदाहरण के तौर पर, जब बाजार में अधिक अस्थिरता होती है तो फंड प्रबंधक अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश बढ़ा सकते हैं। वहीं जब बाजार में तेजी और विकास की संभावनाएं बढ़ती हैं, तब मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बढ़ाया जा सकता है। इस रणनीति के कारण फंड प्रबंधक बाजार में बदलती परिस्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को संतुलित कर सकते हैं। इससे निवेशकों को लंबे समय में स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

बेहतर रिटर्न का रिकॉर्ड

आंकड़ों के अनुसार फ्लेक्सी-कैप फंड ने अन्य विविधीकृत इक्विटी फंड की तुलना में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले तीन वर्षों में इन फंडों ने औसतन लगभग 17 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले पांच वर्षों में इनका औसत रिटर्न लगभग 14.2 प्रतिशत रहा है। इसी कारण निवेशकों का भरोसा भी इन फंडों पर बढ़ रहा है। फरवरी 2026 में फ्लेक्सी-कैप फंड में करीब 6,925 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो इक्विटी म्यूचुअल फंड की विभिन्न श्रेणियों में सबसे अधिक रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक शेयर बाजार में निवेश तो जारी रखना चाहते हैं, लेकिन वे ऐसी श्रेणी को प्राथमिकता दे रहे हैं जहां फंड प्रबंधकों को निवेश में लचीलापन मिलता हो।

अस्थिर बाजार में रणनीतिक विकल्प

फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए इक्विटी पोर्टफोलियो का मुख्य हिस्सा बन सकते हैं। यदि निवेशक लंबे समय के लिए नियमित निवेश योजना के माध्यम से निवेश करते हैं तो वे बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद चक्रवृद्धि लाभ का फायदा उठा सकते हैं। साल 2025 में बाजार में देखी गई अस्थिरता के दौरान कई फ्लेक्सी-कैप फंडों ने अपने निवेश का झुकाव अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों की ओर बढ़ा दिया था। साथ ही उन्होंने लगभग 15 से 20 प्रतिशत निवेश मझोली कंपनियों में बनाए रखा और अधिक जोखिम वाले छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश को सीमित कर दिया था।

निवेश से पहले रखें ध्यान

फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करने से पहले निवेशकों को कुछ महत्वपूर्ण बातों पर जरूर ध्यान देना चाहिए। सबसे पहले फंड प्रबंधक के पिछले प्रदर्शन और बाजार के विभिन्न चरणों में उनकी रणनीति को समझना जरूरी है। इसके अलावा यह भी देखना चाहिए कि फंड बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का संतुलन किस प्रकार बनाता है। निवेशकों को फंड के जोखिम प्रबंधन, खर्च अनुपात और पोर्टफोलियो के केंद्रीकरण जैसे पहलुओं का भी मूल्यांकन करना चाहिए। फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करते समय फंड प्रबंधक की यह क्षमता बहुत महत्वपूर्ण होती है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में मूल्यांकन के अवसरों की पहचान कैसे करता है।

बाजार में लगातार बदलाव

विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण शेयर बाजार में अक्सर तेज उतार-चढ़ाव और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का रुझान बदलता रहता है। लंबे समय में बाजार के अलग-अलग हिस्से अलग समय पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में फ्लेक्सी-कैप फंड इन बदलावों का लाभ उठाने के लिए बेहतर स्थिति में होते हैं। यह निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड व्यापक बाजार में निवेश का एक सुविधाजनक माध्यम हैं, क्योंकि इससे निवेश किसी एक क्षेत्र या श्रेणी तक सीमित नहीं रहता।

निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

विशेषज्ञों का मानना है कि फ्लेक्सी-कैप फंड उन निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त हैं जिनका निवेश दृष्टिकोण लंबी अवधि का है और जो अल्पकालिक बाजार उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं। यदि निवेशक नियमित और अनुशासित तरीके से निवेश करते हैं तो समय के साथ उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है। बदलते आर्थिक माहौल और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए ऐसा विकल्प बनकर उभर रहे हैं, जो जोखिम और अवसर के बीच संतुलन बनाते हुए दीर्घकालीन संपत्ति निर्माण में सहायक हो सकते हैं।

अलर्ट | वरिष्ठ नागरिक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें, ताकि बाद में पछताना न पड़े

आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्लान तैयार कर निवेश करें, इससे आसानी होगी

बुजुर्गावस्था में अपनी आर्थिक स्थिति कैसे मजबूत करें समय रहते सही निवेश और आय के स्थायी स्रोत बनाएं

बिजनेस डेस्क

बढ़ती उम्र जीवन का स्वाभाविक चरण है, लेकिन इसके साथ आने वाली आर्थिक चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब तक व्यक्ति युवा होता है, तब तक वह शारीरिक और मानसिक श्रम के माध्यम से नियमित आय अर्जित कर सकता है। किंतु 60 वर्ष की आयु के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है और आय के अवसर सीमित हो जाते हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं, जिससे खर्च भी अधिक हो जाता है। ऐसे में बुजुर्गावस्था में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय रहते निवेश की योजना बनाना बेहद आवश्यक हो जाता है। भारतीय समाज में परंपरागत रूप से यह माना जाता रहा है कि वृद्धावस्था में परिवार ही सबसे बड़ा सहारा होता है। लेकिन बदलती सामाजिक परिस्थितियों, छोटे होते परिवारों और बढ़ती जीवनशैली की लागत के कारण केवल पारिवारिक सहारे पर निर्भर रहना अब व्यावहारिक नहीं रह गया है। इसलिए यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने कार्यकाल के दौरान ही ऐसी वित्तीय योजना बनाए जिससे रिटायरमेंट के बाद भी नियमित आय बनी रहे और उसे आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर न रहना पड़े।

क्यों जरूरी है रिटायरमेंट प्लानिंग

- युवावस्था में व्यक्ति शारीरिक और मानसिक श्रम से आय अर्जित कर सकता है।
- 60 वर्ष के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है।
- बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ता है।
- इसलिए बुजुर्गावस्था में नियमित आय का स्रोत होना बेहद जरूरी है।

पेंशन और सरकारी योजनाएं

सरकारी सेवा या कुछ निजी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को मासिक पेंशन मिलती है। कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस) संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद आय प्रदान करती है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए है, जिसमें 60 वर्ष के बाद 1000 रुपये से 5000 रुपये तक मासिक पेंशन मिलती है।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

- 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग निवेश कर सकते हैं।
- ब्याज दर लगभग 8.2% वार्षिक।
- न्यूनतम निवेश 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये।
- अवधि 5 वर्ष, जिसे आगे 3 वर्ष बढ़ाया जा सकता है।
- ब्याज का भुगतान हर तिमाही किया जाता है।
- आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर छूट का लाभ मिलता है।

डाकघर मासिक आय योजना

- नियमित मासिक आय का सुरक्षित साधन
- ब्याज दर लगभग 7.4%।
- एकल खाते में अधिकतम निवेश 9 लाख रुपये।
- संयुक्त खाते में 15 लाख रुपये तक निवेश संभव।
- लॉक-इन अवधि 5 वर्ष।
- ब्याज का भुगतान हर महीने किया जाता है।

सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी)

- एकमुश्त निवेश के बाद हर महीने या तिमाही निश्चित राशि निकाल सकते हैं।
- केवल कुछ यूनिट्स बिकती हैं, बाकी निवेश बढ़ता रहता है।
- यह उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए उपयोगी है जो पूंजी को सुरक्षित रखते हुए आय चाहते हैं।

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट

- वरिष्ठ नागरिकों को 6% से 8% तक ब्याज मिलता है।
- ब्याज दर बैंक और अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।
- यह एक सुरक्षित और कम जोखिम वाला निवेश माना जाता है।

संपत्ति से आय के विकल्प

- मकान, दुकान या जमीन किराये पर देकर नियमित आय प्राप्त की जा सकती है।
- अनुभव का उपयोग कर ट्यूशन, लेखन, सलाहकार कार्य किया जा सकता है।
- किराने की दुकान
- घर का बना खाद्य पदार्थ बेचना
- ट्यूशन या कोचिंग
- ब्लॉगिंग या ऑनलाइन काम

50 लाख निवेश करने पर संभावित आय

योजना	निवेश राशि	अनु. ब्याज	मा.आय
व. नागरिक बचत योजना	15,00,000	8%	10,000
डाकघर मासिक आय	9,00,000	7.4%	5,500
बैंक मियादी जमा	16,00,000	7%	9,300
अन्य पेंशन योजना	10,00,000	7.4%	6,000

कुल अनुमानित मासिक आय : लगभग 30,800

एक ही जगह निवेश न करें

रिटायरमेंट के बाद पूरी बचत एक ही जगह निवेश न करें। अलग-अलग योजनाओं में निवेश करने से जोखिम कम और आय स्थिर रहती है। यदि व्यक्ति बचत, निवेश और छोटे काम जारी रखे तो बुजुर्गावस्था में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सकता है। इससे आपको किसी का मुंह नहीं ताकना पड़ेगा और बुढ़ापा आराम से कटेगा।